संक्रमण-विषाणु

विषाणु जनित एक्ज़ैन्थम (विषाणु संबंधी रैश)

भूमिका

शिशुओं और छोटे बच्चों में विषाणुओं के संक्रमण आम-तौर से होते हैं। बहुधा इनके कारण त्वचा पर रैश विकसित हो जाते हैं। रैश या धब्बे भिन्न-भिन्न रूपों में दिखायी पड़ते हैं, जैसे सतही लाल क्षेत्र, बहुत से छोटे, उभरे हुए स्फुट, फुंसियाँ, गुमड़े या इनके में कई एक साथ भी पनप सकते हैं।

अलग-अलग तरह के विषाणुओं से अलग-अलग तरह के धब्बे (रैश) पनप सकते हैं, हालाँकि कभी-कभी विभिन्न विषाणुओं के कारण एक ही प्रकार के धब्बे भी देखे जाते हैं। बहुधा रैश के कारक विषाणु का पता लगाना कठिन होता है। त्वचा के रैश से संबन्धित बहुत से आम विषाणुओं के संक्रमणों का वर्णन नीचे दिया गया है। यह रोग सीधे संपर्क से सरलता से संक्रमित हो सकते हैं।

रोसिओला इन्फैन्टम

2 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में ज्वर पैदा करने वाले इस विषाणु का संक्रमण आम-तौर से होता है। **6-9** माह के शिशुओं में यह बहुधा पाया जाता है। अचानक **39-40**° सेल्सियस का ज्वर चढ़ जाता है और **3-5** दिनों तक बना रहता है। कुछ झुंझलाहट के अतिरिक्त अन्यथा बच्चा ठीक-ठाक रहता है। गले की गिल्टियां फूल जाती हैं और जैसे-जैसे तापमान घटता जाता है, गुलाबी रंग के धब्बे (रैश) गर्दन और शरीर पर उभर आते हैं। यह चेहरे और हाथ-पैरों पर फैल सकते हैं और **1-2** दिनों में लुप्त हो जाते हैं। धब्बों के लिए किसी उपचार की आवश्यकता नहीं होती है।

हस्त, पद व मुख रोग (हैण्ड, फुट, एण्ड माउथ रोग)

छोटे बच्चों में गर्मी व पतझड़ के मौसम में यह संक्रमण सबसे अधिक देखा जाता है। पशुओं में पद व मुख रोग के कारक विषाणु से यह भिन्न है। सामान्यतः इसके अतीव्र लक्षण 7 दिनों तक बने रहते हैं व आरंभ में हल्का बुखार भी चढ़ जाता है। मुँह में छोटी-छोटी फुंसियाँ बन जाती हैं जो फूट कर अल्सर का रूप धारण कर लेती हैं। हाथों और पैरों की अंगुलियों और एड़ियों के छोर पर लाल परिधि वाली स्लेटी रंग की मोती जैसी छोटी, अंडाकार फुंसियाँ पनप जाती हैं। इनकी संख्या अनिश्चित रहती है व **2-3** दिनों में यह लुप्त हो जाती हैं। इनमें पीड़ा या खुजली नहीं होती है। कोई उपचार की आवश्यकता भी नहीं होती है।

एरिथीमा इन्फेक्टियोसम (स्लैप्ड चीक या फिफ्थ रोग)

अधिकॉंशतः 2 से 10 वर्ष की आयु वाले बच्चों में फैलने वाला यह संक्रमण वसन्त-ऋतु में सक्रिय होता है। गालों पर धब्बे (रैश) उभर आते हैं, जिसके कारण यह बहुत गर्म और लाल महसूस होते हैं (इसीलिए इसका नाम स्लैप्ड चीक रोग है)। यह 24 घण्टों में अतीव्र ज्वर के साथ विकसित हो सकता है। शरीर पर धब्बे लेस जैसी ज्यामिति में फैल सकते हैं। प्रायः 6-10 दिनों में यह लुप्त हो जाता है। इसके बाद बच्चा यदि धूप या गर्म वातावरण में रहे, तो अगले कुछ सप्ताहों में यह धब्बे हाथ-पैरों पर पुनः उभर सकते हैं। धब्बों के लिए कोई उपचार की आवश्यकता नहीं है।

मीज़ल्स

टीकाकरण के कारण मीज़ल्स की अब काफी रोक-थाम हो गयी है। परन्तु अभी तक यह समुदाय से पूरी तरह हटाया नहीं गया है। विषाणु के इस संक्रमण के पहले कुछ लक्षण हैं – 3 से 5 दिनों तक बना रहने वाला ज्वर, खॉंसी, बहती हुई नाक, व ऑंखों में लालिमा और दर्द।बच्चा सामान्यतः अस्वस्थता, ऊर्जा में ह्रास और झुंझलाहट महसूस करता है। दूसरे दिन गालों के अंदर की श्लेष्मिक त्वचा पर लाल परिधि वाले नीले-सफेद धब्बे पनप जाते हैं। चौथे दिन माथे और कानों के पीछे लाल रैश उभर आता है, जो 24 घण्टों के अंदर पूरे चेहरे और शरीर पर फैल सकता है। एक सप्ताह बाद यह रैश लुप्त हो जाता है और त्वचा पर भूरे रंग का बदरंग दाग छूट जाता है। यह दाग छिल कर निकल सकता है। अधिकांशतः यह संक्रमण बिना किसी समस्या के स्वतः ही ठीक हो जाता है। रैश के लिए कोई विशेष उपचार नहीं है, परन्तु बच्चे को बिस्तर पर आराम करना चाहिये। साथ ही प्रचुर मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिये व तेज़ प्रकाश का वर्जन करना चाहिये। ज्वर घटाने के लिए छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त पैरासिटैमॉल का उपयोग किया जा सकता है।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.